Result Mitra
दैनिक जागरण
The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE
दैनिक भास्कर
THE HINDU
जनसत्ता
Daily
CURRENT
AFFAIRS
IAS/PCS
अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान
03 April 2025

# न्याय का डिजिटलीकरण

Result Mitra

# न्याय का डिजिटलीकरण

**संदर्भ**

केंद्रीय बजट 2023 में 7,000 करोड़ की पर्याप्त वित्तीय प्रतिबद्धता के साथ ई - कोर्ट मिशन मोड प्रोजेक्ट के चरण -3 की शुरुआत से मुकदमेबाजी के व्यापक बैकलॉग को कम करने में सहायक है।

Result Mitra

# न्याय का डिजिटलीकरण

## सरकारी लंबित वाद से संबंधित मुद्दे

- भारत में सरकारी लंबित वाद के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारें दोनों जिम्मेदार हैं। सामूहिक रूप से मुकदमेबाजी के बोझ में इनका हिस्सा सबसे अधिक है।
- वर्तमान में लंबित मामलों में से लगभग 46 % मामले सरकारी वाद हैं।
- सरकारी मुकदमेबाजी पहले से ही बोझ से दबी भारतीय न्यायपालिका के लिए अतिरिक्त चुनौतियाँ पेश करती हैं।

Result Mitra

# न्याय का डिजिटलीकरण

**अत्यधिक सरकारी मुकदमेबाज़ी के कारण**

- प्रणालीगत खामियाँ
- नौकरशाही स्तर पर विलंब
- जवाबदेही की कमी
- अपर्याप्त डोमेन विशेषज्ञता
- मुकदमेबाजी सँभालने वाले सरकारी अधिकारियों में प्राय: विशेष कानूनी ज्ञान की कमी होती है जिससे मामले की कमज़ोर तैयारी के कारण अनावश्यक अपील होती है।

Result Mitra

# न्याय का डिजिटलीकरण

• सरकारी विभागों में समन्वय का भी अभाव है। साथ ही, अधिकारियों के स्थानांतरण से संस्थागत ज्ञान में कमी आती है।

केंद्रीकृत केस डाटाबेस की अनुपस्थिति के कारण महत्त्वपूर्ण जानकारी में देरी होती है।

• सरकारी मामलों में अपील एवं निपटारा के संबंध में कोई निर्धारित दिशा-निर्देश नहीं हैं जिससे सरकार अत्यधिक जोखिम से बचने के लिए छोटे मामलों को भी आगे बढ़ाती है।

Result Mitra

# न्याय का डिजिटलीकरण

- अत्यधिक सरकारी मुकदमेबाजी में उच्च प्रशासनिक लागत, वित्तीय लागत एवं अवसर लागत शामिल होती है। इससे न्यायपालिका पर बोझ बढ़ने से विवाद समाधान मंद हो जाता है।
- राष्ट्रीय स्तर पर 3 करोड़ से अधिक मामले लंबित होने के कारण सरकारी मुकदमेबाजी को कम करने से न्यायपालिका पर इस बोझ को काफी हद तक कम किया जा सकता है।
- ऐसे में सरकार के भीतर दक्षता, जवाबदेही एवं समन्वय में सुधार पर केंद्रित मुकदमेबाजी प्रबंधन सुधारों की तत्काल आवश्यकता है।

Result Mitra

# न्याय का डिजिटलीकरण

## डिजिटल केस प्रबंधन प्रणालियाँ

• डिजिटल केस प्रबंधन प्रणालियाँ कई मौजूदा चुनौतियों का समाधान कर सकती हैं। केंद्रीकृत डाटाबेस व्यक्तियों पर निर्भरता कम कर देंगे एवं संस्थागत स्मृति में सुधार करेंगे।

• स्वचालित कार्यप्रणाली त्रुटियों को कम करेगा और मामलों को संबंधित अधिकारियों तक निर्देशित करेगा।

Result Mitra

# न्याय का डिजिटलीकरण

- विश्लेषणात्मक डैशबोर्ड अत्यधिक मुकदमेबाजी के क्षेत्रों की पहचान करेंगे और डाटा-संचालित नीति निर्माण में सहायक होंगे।
- विशेष केस प्रबंधन सॉफ्टवेयर से सरकारी विभाग मुकदमेबाजी को सँभालने के तरीके को बदल सकते हैं।

Result Mitra

# न्याय का डिजिटलीकरण

## डिजिटलीकरण संबंधी चुनौतियाँ

- वकीलों एवं अधिकारियों द्वारा इसे धीमी गति से अपनाना
- व्यापक उपयोगकर्ता प्रशिक्षण एवं परिवर्तन प्रबंधन का अभाव
- डाटा मानकीकरण

Result Mitra

# न्याय का डिजिटलीकरण

- उपयोगकर्ता भूमिका जटिलता
- विभागों के बीच सूचना साझाकरण में बाधा
- बेहतर विश्लेषणात्मक क्षमता निर्माण की कमी
- ई-अदालतों के साथ एकीकरण का अभाव

**UPSC Mains GS Paper 2**

**निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

**1. ई-कोर्ट मिशन मोड प्रोजेक्ट के चरण-3 का मुख्य उद्देश्य न्यायालयों में लंबित मुकदमों के बैकलॉग को कम करना है।**

**2. वर्तमान में, भारतीय न्यायालयों में लंबित लगभग आधे मामले सरकारी मुकदमेबाजी से संबंधित हैं।**

**3. डिजिटल केस प्रबंधन प्रणालियाँ केंद्रीकृत डेटाबेस के माध्यम से संस्थागत स्मृति में सुधार कर सकती हैं और व्यक्तियों पर निर्भरता कम कर सकती हैं।**

**उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?**

**(a) केवल 1 और 2**

**(b) केवल 2 और 3**

**(c) केवल 1 और 3**

**(d) 1, 2 और 3**

# Foreign Direct Investments (FDI) in India

भारत के निर्यात प्रदर्शन पर
एफ.डी.आई. प्रवाह का प्रभाव

Result Mitra

# भारत के निर्यात प्रदर्शन पर एफ.डी.आई. प्रवाह का प्रभाव

## संदर्भ

आर्थिक वृद्धि एवं विकास सभी देशों के मुख्य व्यापक आर्थिक लक्ष्य हैं। इन आर्थिक लक्ष्यों की सफलता व्यापार प्रवाह एवं विकास से प्रभावित होती है। विकासशील देशों में निर्यात को बढ़ावा देने में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) की भूमिका अभी भी बहस का मुद्दा है।

Result Mitra

# भारत के निर्यात प्रदर्शन पर एफ.डी.आई. प्रवाह का प्रभाव

## विश्व बैंक की रिपोर्ट

- विश्व बैंक द्वारा प्रकाशित विश्व विकास रिपोर्ट (1987) ने वर्ष 1963 से वर्ष 1973 के मध्य निर्यात-आधारित विकास योजना के बाद चार एशियाई देशों हॉन्गकॉन्ग, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया और ताइवान के लिए 9.5% की औसत वार्षिक आर्थिक वृद्धि दर की सूचना दी।
- आयात-प्रतिस्थापन औद्योगीकरण रणनीति का पालन करने वाले देशों के लिए यह दर 4.1% थी।

Result Mitra

# भारत के निर्यात प्रदर्शन पर एफ.डी.आई. प्रवाह का प्रभाव

• भारतीय नीति निर्माताओं को इन एशियाई देशों द्वारा हासिल की गई उल्लेखनीय वृद्धि को देखते हुए मुक्त-बाजार और बाह्य उन्मुख व्यापार नीतियों को अपनाने के प्रभाव का हाल ही में अनुभव हुआ है।

## भारत में विदेशी निवेश की स्थिति

• 1990 के दशक की शुरुआत से भारत ने टैरिफ एवं गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करने के साथ ही निवेश नियमों को सुविधाजनक बनाकर अपने व्यापार में वृद्धि की है।

Result Mitra

# भारत के निर्यात प्रदर्शन पर एफ.डी.आई. प्रवाह का प्रभाव

हालाँकि, किसी देश की अर्थव्यवस्था में किए गए निवेश की मात्रा उत्पादन और निर्यात में वृद्धि के साथ ही अर्थव्यवस्था के विस्तार एवं निरंतर विकास से निर्धारित होती है।

• विदेशी पूंजी निवेश घरेलू निवेश को वित्तपोषित करके आर्थिक विस्तार का समर्थन करते हैं। हालिया दशकों में, भारत का निर्यात उसके सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ा है।

Result Mitra

# भारत के निर्यात प्रदर्शन पर एफ.डी.आई. प्रवाह का प्रभाव

यह विशेष रूप से एफ.डी.आई. प्रवाह के कारण संभव हुआ है क्योंकि वर्ष 1991 की आर्थिक नीति में बदलाव के बाद से भारत में एफ.डी.आई. में निरंतर वृद्धि हुई है।

भारत का विदेशी व्यापार वर्ष 2021-22 में $291 बिलियन से $422 बिलियन तक असाधारण रूप से 44% बढ़ गया जो महामारी से पहले की तुलना में अधिक है।

Result Mitra

# भारत के निर्यात प्रदर्शन पर एफ.डी.आई. प्रवाह का प्रभाव

## भारत में निर्यात और एफ.डी.आई. प्रवाह

- वर्ष 2001-02 से वर्ष 2020-21 तक भारत के एफ.डी.आई. प्रवाह और निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

भारत को वर्ष 2020-21 में $81,722 मिलियन का उच्चतम एफ.डी.आई. प्रवाह प्राप्त हुआ।

- विगत कुछ वर्षों में भारत से निर्यात में तेजी से वृद्धि हुई जो वर्ष 2018-19 में अपने उच्चतम बिंदु पर था।

Result Mitra

# भारत के निर्यात प्रदर्शन पर एफ.डी.आई. प्रवाह का प्रभाव

• एफ.डी.आई. प्रवाह और निर्यात में बढ़ती प्रवृत्ति भारत को बाजार अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रमुख नीतिगत बदलावों के कारण हुई है जिसमें मुख्य रूप से शामिल हैं:

कॉर्पोरेट कर दरों में कमी

गैर - बैंकिंग वित्तीय कंपनी

बैंक तरलता के मुद्दों को कम करना

व्यापार करने में आसानी

Result Mitra

# भारत के निर्यात प्रदर्शन पर एफ.डी.आई. प्रवाह का प्रभाव

- एफ.डी.आई. नीति में बदलाव
- नियामक बोझ में कमी
- सार्वजनिक खरीद आदेशों के माध्यम से घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित करना
- चरणवद्ध विनिर्माण कार्यक्रम
- विभिन्न उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन योजनाएँ

**UPSC Mains GS Paper 2**

**निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

**1. वर्ष 1991 की आर्थिक नीति में बदलाव के बाद से भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफ.डी.आई.) में लगातार वृद्धि हुई है।**

**2. वर्ष 2020-21 में भारत ने 81,722 मिलियन डॉलर का उच्चतम एफ.डी.आई. प्रवाह प्राप्त किया।**

**3. एफ.डी.आई. प्रवाह और निर्यात में बढ़ती प्रवृत्ति का मुख्य कारण भारत का राज्य-नियंत्रित अर्थव्यवस्था से बाजार अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ना है।**

**उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?**

**(a) केवल 1 और 2**

**(b) केवल 2 और 3**

**(c) केवल 1 और 3**

**(d) 1, 2 और 3**

# सामाजिक संस्थाएँ: निरंतरता एवं परिवर्तन



भारतीय प्रशासन की निरंतरता और परिवर्तन

Result Mitra

# भारतीय प्रशासन की निरंतरता और परिवर्तन

## संदर्भ

• भारतीय प्रशासन में निरंतरता और परिवर्तन की जाँच भारत में राज्य-केंद्रित अर्थव्यवस्था से बाजार अर्थव्यवस्था तक विकास प्रतिमानों के बदलते संदर्भ में की जाती है।

ये प्रतिमान प्रशासनिक प्रणाली के कामकाज को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं।

Result Mitra

# भारतीय प्रशासन की निरंतरता और परिवर्तन

- संविधान में एक विस्तृत कानूनी ढाँचा है जो एक कल्याणकारी राज्य की दृष्टि को स्पष्ट करते हुए एक नागरिक-केंद्रित शासन के निर्माण का प्रावधान करता है।
- यदि भारत शताब्दी समारोह के हिस्से के रूप में आत्मनिर्भर और समावेशी विकास के अपने वादे को पूरा करना चाहता है तो नागरिक-केंद्रित प्रशासन हासिल करना नितांत महत्त्वपूर्ण है।

Result Mitra

# भारतीय प्रशासन की निरंतरता और परिवर्तन

## प्रशासन में निरंतरता

## औपनिवेशिक विरासत

- समकालीन भारतीय प्रशासनिक प्रणाली की विशेषताएँ ब्रिटिश प्रशासनिक प्रणालियों की विशेषताओं का प्रतीक हैं।
- 1858, 1909, 1919 और 1935 के भारत सरकार अधिनियमों ने बड़े पैमाने पर संघ और राज्य स्तरों पर सरकार की संरचना की नींव रखी।

Result Mitra

# भारतीय प्रशासन की निरंतरता और परिवर्तन

- औपनिवेशिक काल से विरासत में मिली महत्त्वपूर्ण संस्थाओं में केंद्रीय सचिवालय, अखिल भारतीय सेवाएँ, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, भारतीय रिजर्व बैंक, राजस्व बोर्ड, संभागीय आयुक्त और जिला कलेक्टर शामिल हैं।
- भारत ने सिविल सेवकों के नामकरण सहित उपयुक्त संशोधन करके उच्च सिविल सेवा प्रणाली को जारी रखा है।

Result Mitra

# भारतीय प्रशासन की निरंतरता और परिवर्तन

## कल्याणकारी आर्थिक नीतियाँ

- स्वतंत्रता के पहले चार दशकों के दौरान भारत ने सापेक्ष आत्मनिर्भरता, आयात प्रतिस्थापन, औद्योगीकरण और भारत के आर्थिक विकास में विदेशी सहायता के लिए नियमों एवं शर्तों पर शक्तिशाली औद्योगिक देशों के साथ सौदेबाजी पर आधारित कल्याणकारी आर्थिक नीतियाँ अपनाईं।

Result Mitra

# भारतीय प्रशासन की निरंतरता और परिवर्तन

- सरकार ने रक्षा, ऊर्जा, बुनियादी ढाँचे एवं सिंचाई परियोजनाओं, सड़कों, बिजली विकास और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के रूप में बुनियादी एवं भारी उद्योगों की स्थापना जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Result Mitra

# भारतीय प्रशासन की निरंतरता और परिवर्तन

• सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों का उद्देश्य उच्च विकास दर हासिल करना, स्वदेशी क्षमता का निर्माण करना, संतुलित क्षेत्रीय विकास लाना, आर्थिक शक्ति के संकेंद्रण को रोकना, आय असमानताओं को कम करना आदि था। इसने सरकारी कार्यक्रमों की योजना बनाने और निगरानी करने के लिए राष्ट्रीय विकास परिषद् एवं योजना आयोग जैसे स्वतंत्र नियामक निकायों का निर्माण किया।

Result Mitra

# भारतीय प्रशासन की निरंतरता और परिवर्तन

## प्रशासन में परिवर्तनीयता

• 1990 के दशक की शुरुआत में आर्थिक सुधारों के बाद राजनीति और प्रशासनिक प्रणालियों के कामकाज पर एक साथ कई घटनाक्रमों का प्रभाव देखा जा सकता है, जैसे-

मंडल आयोग द्वारा सार्वजनिक संस्थानों / संसाधनों में सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों के लिए आरक्षण की मांग।

Result Mitra

# भारतीय प्रशासन की निरंतरता और परिवर्तन

अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए शक्तिशाली हिंदुत्व समूहों के नेतृत्व में राम रथ यात्रा।

मध्यम वर्ग के किसानों और शक्तिशाली शहरी एवं ग्रामीण मध्यम वर्गों के नेतृत्व में राष्ट्रीय संसाधनों पर असंगत दावे पर सुधार की मांग।

Result Mitra

# भारतीय प्रशासन की निरंतरता और परिवर्तन

• अर्थव्यवस्था के वैश्वीकरण के क्रम में अंतर्राष्ट्रीय निगमों द्वारा सस्ते श्रम एवं कच्चे माल की खोज और बाज़ारों के विस्तार ने भी प्रशासन के तरीके को अत्यधिक प्रभावित किया।

विश्व बैंक एवं अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था को मुक्त करने और उत्पादन प्रणाली में राज्य को उसकी केंद्रीय भूमिका से पीछे हटने की अनुमति देने के लिए संरचनात्मक समायोजन रणनीति को अपनाने की वकालत की।

Result Mitra

# भारतीय प्रशासन की निरंतरता और परिवर्तन

• बड़े भारतीय व्यवसायों का बहुराष्ट्रीय निगमों के साथ संयुक्त उद्यम शुरू करना और विश्व व्यापार संगठन द्वारा दुनिया भर में बौद्धिक संपदा अधिकारों और निवेश मामलों में व्यापार के 'प्रहरी' के रूप में कार्य करना राजनीति और प्रशासनिक प्रणालियों के कामकाज प्रभावित करने वाला प्रमुख कारक बना।

Result Mitra

# भारतीय प्रशासन की निरंतरता और परिवर्तन

## सुधारों को प्राथमिकता

- संरचनात्मक सुधार

जमींदारी उन्मूलन

भूमि जोत पर सीमा लगाना

आर्थिक असमानताओं को कम करने के लिए किराएदारी सुधार

Result Mitra

# भारतीय प्रशासन की निरंतरता और परिवर्तन

- संस्थागत सुधार

लोकतांत्रिक एवं विकेंद्रीकृत संस्थानों और विशेष एजेंसियों की स्थापना

- लोगों को शासन में भाग लेने और वित्तीय संस्थानों तक पहुँच में सक्षम बनाने के लिए बैंकों का राष्ट्रीयकरण

Result Mitra

# भारतीय प्रशासन की निरंतरता और परिवर्तन

- वृद्धिशील सुधार
  - बीस सूत्रीय कार्यक्रम
  - खाद्यान्न वितरण
  - गरीबी उन्मूलन
  - अनुसूचित जातियों, जनजातियों, महिलाओं, बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम
  - बंधुआ मजदूरों का पुनर्वास

Result Mitra

# भारतीय प्रशासन की निरंतरता और परिवर्तन

- गरीबी उन्मूलन और आम जनता के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए पिछड़े क्षेत्रों का विकास
- प्रशासनिक सुधार

प्रशासनिक संरचनाओं एवं प्रक्रियाओं में सुधार लाने और नागरिक-केंद्रित शासन सुनिश्चित करने के लिए आयोगों की नियुक्ति

Result Mitra

# भारतीय प्रशासन की निरंतरता और परिवर्तन

- भारत सरकार ने भूमि सुधार जैसी संरचनात्मक नीतियों की तुलना में वृद्धिशील नीतियों को प्राथमिकता दी जो हाशिए पर रहने वाले समूहों की समस्याओं को मौलिक रूप से हल करती है।

Result Mitra

# भारतीय प्रशासन की निरंतरता और परिवर्तन

**न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन**

- वर्ष 2014 में नवगठित सरकार ने 'न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन' के सूत्र का समर्थन किया।

इसका अर्थ था कि सरकार की भूमिका सेवाओं के 'प्रदाता' की बजाय 'सुविधाकर्ता' तक सीमित होनी चाहिए।

Result Mitra

# भारतीय प्रशासन की निरंतरता और परिवर्तन

• इस सरकार की रणनीति पाँच स्तंभों के आधार पर आत्मनिर्भर भारत स्थापित करने की रही है-

- अर्थव्यवस्था
- बुनियादी ढाँचे का विकास
- प्रौद्योगिकी-संचालित प्रणाली
- एक जीवंत कौशल उन्नयन के साथ जनसांख्यिकी
- मांग एवं आपूर्ति की शक्ति का पूर्ण उपयोग

Result Mitra

# भारतीय प्रशासन की निरंतरता और परिवर्तन

- सरकार ने कॉपरिट समर्थक नीतियों को अपनाकर आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया को भी तेज कर दिया जिससे भारतीय और विदेशी कॉर्पोरेट घरानों को बैंकिंग, व्यापार, बुनियादी ढाँचे और बीमा जैसे लाभदायक क्षेत्रों में आक्रामक रूप से प्रवेश करने में सक्षम बनाया गया।

Result Mitra

# भारतीय प्रशासन की निरंतरता और परिवर्तन

- **सरकार के नवीनतम सुधार**
- वर्तमान सरकार के सुधारों में शामिल हैं-
- दीर्घकालिक विकास के लिए परिप्रेक्ष्य योजना की बजाय 'सांकेतिक योजना' को प्राथमिकता
- वर्ष 2019 में कॉर्पोरेट टैक्स को 30% से घटाकर 22% करना
- रक्षा उद्योग, कोयला, विमानन, बिजली वितरण, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा सहित आठ प्रमुख क्षेत्रों में निजी निवेश को बढ़ावा

Result Mitra

# भारतीय प्रशासन की निरंतरता और परिवर्तन

- व्यापार करने में आसानी के लिए नए श्रम कानूनों का संहिताकरण
- वर्ष 2023 में भारतीय न्याय संहिता जैसे कानूनी सुधारों की शुरुआत
- सार्वजनिक संस्थानों में लेटरल एंट्री की अवधारणा को पेश करना
- गति शक्ति कार्यक्रम के तहत विश्व स्तरीय बुनियादी ढाँचे को बढ़ावा देना
- भारत की प्रतिस्पर्द्धात्मकता एवं आर्थिक विकास में सुधार करना
- मिशन कर्मयोगी के तहत सिविल सेवकों का क्षमता निर्माण

Result Mitra

# भारतीय प्रशासन की निरंतरता और परिवर्तन

- सरकार के ये सुधार नए निवेश और उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ ही रोजगार के अवसर सृजित करते हैं।
- डिजिटल शासन को बढ़ावा देना एक प्रमुख प्रशासनिक सुधार है जिसे शासन का वैश्विक मानक माना जाता है।

Result Mitra

# भारतीय प्रशासन की निरंतरता और परिवर्तन

- पेंशन, शिक्षा, स्वास्थ्य और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजनाओं से संबंधित कल्याण कार्यक्रमों को निष्पादित करने के लिए बायोमेट्रिक सत्यापन के माध्यम से डिजिटल प्रशासन एक नई सामान्य बात बन गई है।
- सरकार का प्रयास शासितों पर सत्ता बनाए रखने के लिए अपनी नीतियों के अनुरूप लाभार्थियों को अनुकूलन योग्य नागरिक बनाने का है।

**UPSC Mains GS Paper 2**

**निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

**1. समकालीन भारतीय प्रशासनिक प्रणाली की कई विशेषताएँ ब्रिटिश प्रशासनिक प्रणालियों से विरासत में मिली हैं।**

**2. स्वतंत्रता के प्रारंभिक दशकों में भारत ने मुख्य रूप से पूर्ण आत्मनिर्भरता और आयात प्रतिस्थापन पर आधारित कल्याणकारी आर्थिक नीतियाँ अपनाईं।**

**3. 1990 के दशक के आर्थिक सुधारों के बाद, अर्थव्यवस्था के वैश्वीकरण ने भारतीय प्रशासन के तरीकों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है।**

**उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?**

**(a) केवल 1 और 2**

**(b) केवल 2 और 3**

**(c) केवल 1 और 3**

**(d) 1, 2 और 3**

# भारतीय रेलवे में गतिशील मूल्य निर्धारण

Result Mitra

# भारतीय रेलवे में गतिशील मूल्य निर्धारण

**संदर्भ**

यात्री खंड से होने वाली बेहद कम राजस्व प्राप्ति भारतीय रेलवे के कथित घाटे का मुख्य कारण है। ऐसे में माल ढुलाई खंड से प्राप्त राजस्व का उपयोग यात्री खंड को क्रॉस-सब्सिडी देकर नुकसान को कम किया जाता है।

Result Mitra

# भारतीय रेलवे में गतिशील मूल्य निर्धारण

**यात्री खंड से कम आय के कारण**

- टिकट की सस्ती कीमतें
- वरिष्ठ नागरिकों, छात्रों, सैन्य अधिकारियों, संसद सदस्यों एवं रेलवे कर्मियों को दी जाने वाली रियायतें
- एक ही गंतव्य के लिए कई ट्रेनें
- मौसम एवं वर्ग के अनुसार मांग में भिन्नता
- विविध उपयोगकर्ता
- ऑफ-सीजन में क्षमताओं का कम प्रयोग

Result Mitra

# भारतीय रेलवे में गतिशील मूल्य निर्धारण

## गतिशील मूल्य निर्धारण प्रणाली

• भारतीय रेलवे ने वर्ष 2016 में राजधानी, शताब्दी, गतिमान, हमसफर एक्सप्रेस, सुविधा एक्सप्रेस एवं दुरंतो जैसी अपनी प्रीमियम ट्रेनों में गतिशील मूल्य निर्धारण (डायनामिक प्राइसिंग) को अपनाया।

वर्ष 2019 में फिर से गतिशील मूल्य निर्धारण में मामूली समायोजन किया गया।

Result Mitra

# भारतीय रेलवे में गतिशील मूल्य निर्धारण

• वर्तमान में 12,500 ट्रेनों में से 141 में गतिशील मूल्य निर्धारण प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है। इसके अनुसार ऑनलाइन टिकट की बढ़ती मांग के साथ आधार किराया गतिशील होगा।

रेलवे ने वर्ष 2019 में गतिशील मूल्य निर्धारण के लिए ऊपरी सीमा को आधार दर से 1.5 गुना से घटाकर 1.4 गुना कर दिया है।

Result Mitra

# भारतीय रेलवे में गतिशील मूल्य निर्धारण

- भारतीय रेलवे में गतिशील मूल्य निर्धारण को अपनाने से रेलवे को यात्री राजस्व बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद थी।

**वायु परिवहन से प्रतिस्पर्द्धा**

- रेलवे को उच्च आय वाले ग्राहकों के संदर्भ में हवाई यात्रा से कड़ी प्रतिस्पर्द्धा का सामना करना पड़ता है।

Result Mitra

# भारतीय रेलवे में गतिशील मूल्य निर्धारण

- आकर्षक मूल्य नीतियों के कारण विगत कुछ वर्षों में लोग घरेलू हवाई यात्रा का तेजी से उपयोग कर रहे हैं जिसने हवाई यात्रा को रेल यात्रा की तुलना में अधिक प्रतिस्पर्द्धी बना दिया है।
- हवाई यात्रा की कम घरेलू कीमत ने रेलवे पर काफी दबाव पैदा किया है। यात्री एवं माल परिवहन दोनों में हवाई सुविधा में वृद्धि हुई है।

Result Mitra

# भारतीय रेलवे में गतिशील मूल्य निर्धारण

• जीवन स्तर में वृद्धि के साथ उच्च आय वाले उपयोगकर्ता अब घरेलू एयरलाइनों को पसंद करते हैं। इसलिए, रेलवे में गतिशील मूल्य निर्धारण से ग्राहकों की संख्या में कमी आ सकती है।

## गतिशील मूल्य निर्धारण प्रणाली की समीक्षा

• आदर्श रूप से गतिशील मूल्य निर्धारण प्रणाली में मांग में वृद्धि के साथ कीमत में वृद्धि और मांग में गिरावट के साथ कीमतों में भी गिरावट होनी चाहिए।

Result Mitra

# भारतीय रेलवे में गतिशील मूल्य निर्धारण

- भारतीय रेलवे में गतिशील मूल्य निर्धारण तकनीक यात्री खंड के उपयोगकर्ताओं के लिए अनुचित है क्योंकि मांग कम होने पर कीमतों में कमी के अवसर कम होते हैं।
- भारतीय रेलवे में अधिभोग (Occupancy) बढ़ाने के लिए गतिशील कीमत को अपनाया गया था, किंतु इसका विपरीत प्रभाव दिखाई देता है।

Result Mitra

# भारतीय रेलवे में गतिशील मूल्य निर्धारण

• गतिशील मूल्य निर्धारण की विफलता के लिए भारतीय रेलवे के प्रशासनिक मुद्दों को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) ने गतिशील मूल्य निर्धारण निर्णय को अनुचित माना है।

**UPSC Mains GS Paper 2**

**निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

**1. भारतीय रेलवे ने सर्वप्रथम वर्ष 2016 में अपनी सभी ट्रेनों में गतिशील मूल्य निर्धारण प्रणाली लागू की थी।**

**2. गतिशील मूल्य निर्धारण प्रणाली के तहत, ऑनलाइन टिकट की बढ़ती मांग के साथ आधार किराया गतिशील होता है।**

**3. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) ने भारतीय रेलवे में लागू गतिशील मूल्य निर्धारण निर्णय को अनुचित माना है।**

**उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?**

**(a) केवल 1 और 2**

**(b) केवल 2 और 3**

**(c) केवल 1 और 3**

**(d) 1, 2 और 3**

# GOODS AND SERVICE TAX (GST) IN INDIA

Scope of Goods & Services Tax

**वस्तु एवं सेवा कर का नगर निगम वित्त पर प्रभाव**

# वस्तु एवं सेवा कर का नगर निगम वित्त पर प्रभाव

## संदर्भ

- शहरी स्थानीय सरकारों के राजस्व स्रोत उनकी व्यय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बहुत कम हैं। उच्च सरकारों से हस्तांतरित वित्त पर बढ़ती निर्भरता के कारण नगरपालिकाओं की स्वायत्तता में गिरावट आई है।
- साथ ही, वस्तु एवं सेवा कर ने नगरपालिका वित्त पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है।

**Goods and Services Tax**

*['gudz ən(d) 'sər-vəs-əs 'taks]*

A value-added tax (VAT) levied on most goods and services sold for domestic consumption.

# वस्तु एवं सेवा कर का नगर निगम वित्त पर प्रभाव

**Goods and Services Tax**

*['gudz ən(d) 'sər-vəs-əs 'taks]*

A value-added tax (VAT) levied on most goods and services sold for domestic consumption.

## आर्थिक विकास के केंद्र के रूप में शहर

- शहर आर्थिक विकास को न केवल सुविधाजनक बनाते हैं, बल्कि इसे तीव्रता भी प्रदान करते हैं।

शहरीकरण अर्थव्यवस्था में गरीबी कम करने और रोजगार सृजन पर सकारात्मक प्रभाव डालता है।

Result Mitra

# वस्तु एवं सेवा कर का नगर निगम वित्त पर प्रभाव

- वर्तमान में लगभग एक-तिहाई भारतीय (35%) शहरी क्षेत्रों में रह रहे हैं। वर्ष 2050 तक शहरी आबादी बढ़कर 814 मिलियन होने की संभावना है।
- भारतीय शहरीकरण का आकार और गति इसके एशियाई और अफ्रीकी समकक्षों की तुलना में छोटी है।

चीन में यह 54%, इंडोनेशिया में 53%, दक्षिण अफ्रीका में 64% और नाइजीरिया में 47% है।

- विश्व स्तर पर लगभग 54% लोग शहरी क्षेत्रों में रहते हैं।

**Goods and Services Tax**

*['gudz ən(d) 'sər-vəs-əs 'taks]*

A value-added tax (VAT) levied on most goods and services sold for domestic consumption.

Result Mitra

# वस्तु एवं सेवा कर का नगर निगम वित्त पर प्रभाव

## भारत में शहरीकरण पर बल

• हाल के वर्षों में, भारत आक्रामक रूप से शहरीकरण पर बल दे रहा है। स्मार्ट सिटी मिशन, अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत), प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), विरासत शहर विकास एवं संवर्द्धन योजना (हृदय), जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन और स्वच्छ भारत मिशन इसी दिशा में लक्षित हैं।

**Goods and Services Tax**

*['gudz ən(d) 'sər-vəs-əs 'taks]*

A value-added tax (VAT) levied on most goods and services sold for domestic consumption.

Result Mitra

# वस्तु एवं सेवा कर का नगर निगम वित्त पर प्रभाव

- भारत कृषि पर अपनी अतिनिर्भरता को कम करने और युवाओं को सार्थक रोजगार प्रदान करने के लिए शहरीकरण को आवश्यक मानता है।
- किसी भी शहरी कायाकल्प योजना के अनिवार्य रूप से दो व्यापक उद्देश्य होते हैं-

उत्पादन एवं उपभोग गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के साथ ही उनमें तेजी लाना और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना

शहरी सीमा में निवासियों के लिए आवश्यक सामाजिक-आर्थिक बुनियादी ढाँचा प्रदान करना

**Goods and Services Tax**

*['gudz ən(d) 'sər-vəs-əs 'taks]*

A value-added tax (VAT) levied on most goods and services sold for domestic consumption.

Result Mitra

# वस्तु एवं सेवा कर का नगर निगम वित्त पर प्रभाव

## भारत में शहरी स्थानीय निकाय

• भारत में 74वें संवैधानिक संशोधन ने शहरी स्थानीय निकायों को स्वतंत्र सरकारों के रूप में मान्यता दी है।

शहरी स्थानीय सरकारें संबंधित कस्बे/शहर के क्षेत्राधिकार के शासन की देखभाल के लिए जिम्मेदार हैं।

**Goods and Services Tax**

*['gudz ən(d) 'sər-vəs-əs 'taks]*

A value-added tax (VAT) levied on most goods and services sold for domestic consumption.

Result Mitra

# वस्तु एवं सेवा कर का नगर निगम वित्त पर प्रभाव

• संविधान की 12वीं अनुसूची शहरी स्थानीय निकायों को शहरी नियोजन जैसी बड़ी कार्यात्मक जिम्मेदारियाँ सौंपती है जिनमें मुख्य रूप से शामिल हैं-

नगर नियोजन

सड़कें एवं पुल

जल आपूर्ति

सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता

**Goods and Services Tax**

*['gudz ən(d) 'sər-vəs-əs 'taks]*

A value-added tax (VAT) levied on most goods and services sold for domestic consumption.

Result Mitra

# वस्तु एवं सेवा कर का नगर निगम वित्त पर प्रभाव

स्ट्रीट लाइट

पार्किंग

स्लम सुधार एवं उनका उन्नयन

**शहरी स्थानीय निकायों की वित्तीय स्वायत्तता**

• संविधान ने स्थानीय सरकारों को एक बड़ी कार्यात्मक जिम्मेदारी सौंपी है, लेकिन उनकी वित्तीय स्थिति इन जिम्मेदारियों को निभाने के लिए बहुत कमजोर है।

**Goods and Services Tax**

*['gudz ən(d) 'sər-vəs-əs 'taks]*

A value-added tax (VAT) levied on most goods and services sold for domestic consumption.

Result Mitra

# वस्तु एवं सेवा कर का नगर निगम वित्त पर प्रभाव

• केंद्र-राज्य वित्त हस्तांतरण पर स्पष्ट संवैधानिक सीमांकन के विपरीत नगरपालिका का वित्तपोषण काफी हद तक राज्य सरकारों की दया पर छोड़ दिया गया है।

• निम्न कर आधार, अकुशल कर संग्रह और अव्यावसायिक कर प्रबंधन के कारण शहरी स्थानीय निकाय का आंतरिक राजस्व एकत्रण एवं संग्रहण बहुत कमजोर है।

संपत्ति कर के अतिरिक्त नगरपालिका सरकार के लिए कोई महत्त्वपूर्ण कर उपलब्ध नहीं है।

**Goods and Services Tax**

*['gudz ən(d) 'sər-vəs-əs 'taks]*

A value-added tax (VAT) levied on most goods and services sold for domestic consumption.

Result Mitra

# वस्तु एवं सेवा कर का नगर निगम वित्त पर प्रभाव

- कर राजस्व के अलावा उपयोगकर्ता शुल्क और लाइसेंस शुल्क शहरी स्थानीय निकायों के प्रमुख गैर-कर राजस्व हैं।
- वस्तु एवं सेवा कर (GST) के कार्यान्वयन ने नगरपालिका राजस्व के पहले से ही संकुचित स्रोत पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है।

**Goods and Services Tax**

*['gudz ən(d) 'sər-vəs-əs 'taks]*

A value-added tax (VAT) levied on most goods and services sold for domestic consumption.

Result Mitra

# वस्तु एवं सेवा कर का नगर निगम वित्त पर प्रभाव

## भारत में नगरपालिका वित्त का आकार

- समान विकास पथ वाले देशों को देखते हुए भारत में नगरपालिका वित्त का आकार इसके आकार की तुलना में बहुत ही कम है।
- सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) के प्रतिशत के रूप में भारत में नगरपालिका व्यय और राजस्व पिछले दशक में लगभग 1% था।

जबकि, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका में यह क्रमशः सकल घरेलू उत्पाद का 7.4% और 6% था।

# वस्तु एवं सेवा कर का नगर निगम वित्त पर प्रभाव

• जी.डी.पी. के प्रतिशत के रूप में नगरपालिका राजस्व वर्ष 2010-11 में 0.941% से बढ़कर वर्ष 2017-18 में 1.004% हो गया है। जबकि, इसी अवधि में नगरपालिका व्यय जी.डी.पी. के प्रतिशत के रूप में 0.825% से घटकर 0.775% हो गया है। यह देश में एक गंभीर नगरपालिका वित्तीय आपदा का संकेत है।

**Goods and Services Tax**

*['gudz ən(d) 'sər-vəs-əs 'taks]*

A value-added tax (VAT) levied on most goods and services sold for domestic consumption.

## Goods and Services Tax

*['gudz ən(d) 'sər-vəs-əs 'taks]*

A value-added tax (VAT) levied on most goods and services sold for domestic consumption.

**UPSC Mains GS Paper 2**

**निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

**1. 74वें संवैधानिक संशोधन ने भारत में शहरी स्थानीय निकायों को स्वतंत्र सरकारों के रूप में मान्यता प्रदान की है।**

**2. भारत में, सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) के प्रतिशत के रूप में नगरपालिका व्यय और राजस्व समान विकास पथ वाले देशों की तुलना में अधिक है।**

**3. वस्तु एवं सेवा कर (GST) के कार्यान्वयन ने नगरपालिका राजस्व के पहले से ही सीमित स्रोतों पर नकारात्मक प्रभाव डाला है।**

**उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?**

**(a) केवल 1**

**(b) केवल 2**

**(c) केवल 1 और 3**

**(d) 1, 2 और 3**

Result Mitra

# Thank you !